Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding animal crulety in India.

श्री सुनील कुमार सोनी (रायपुर): सभापति महोदय, छत्तसीगढ़ में वर्ष 2020 तक लगभग छह हाथियों की मौत हो चुकी है । वनमंडला अधिकारी गरियावन से जानकारी ली तो उन्होंने मुझे लिखित में कहा है कि करेंट से मौत हुई है । 23 फरवरी, 2021 का दिन देश के लिए बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण दिन था । देश में पहली बार मगरकुंड में मादा तेंदुआ का शिकार हुआ और उसके अंगों को नोच डाला गया, छत्तीसगढ़ सरकार ने भी स्वीकार किया है । उसका पोस्टमार्टम हुआ, मेरे पास पोस्टमार्टम की रिपोर्ट है । इसमें कहा गया है कि तेंदुआ के सामने के दो पंजे गायब थे, माथे की चमड़ी गायब थी, मुंछ के दो बाल गायब थे, नाखुन भी गायब था । छत्तीसगढ़ में जो गिरोह काम कर रहा है, इसका फोटो देखने के बाद किसी भी व्यक्ति के आंख से आंसू निकल जाएगा ।

मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि छत्तीसगढ़ सरकार को निर्देशित करे कि बेजुबान जानवरों के साथ जो कृत्य हो रहा है, उसके ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो । ऐसे लोगों को चिहिन्त करके इस प्रकार से दंडित किया जाए कि देश में इसकी कहीं पुनरावृत्ति न हो, यही मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं ।